हमारा धर्म मत और मिशण

हम एसे भगवान में विश्वास करते हैं जो सर्वव्यापी, अनन्त हैं और कण–कण मे रहते हैं। विशेष रूप से हर मानव के हृदय में। यह देवता साधकों मे प्रेम, आनन्द, सत्भाव, ज्ञान और सब प्राणीयों के प्रती आदर जगाता है। प्रत्येक शरीर ईश्वर का मन्दिर है। मानव धर्म सब प्राणीयों की सेवा करके ईश्वर को सम्मान देना है और एकागृत भक्ति से ईश्वर को प्राप्त करने की चेष्टा करना है।

देवी मन्दिर का मुख्य उद्देश्य पूजा करने के लिए प्रेरणा देना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हम आप में इच्छा जगाऐं कि आप साधु और ऋषीओं का उदाहरण अपनाऐं। ये लोग केवल प्राचीन काल में हि नहीं रहते थे। परन्तु वर्तमान में भी उपस्थित हैं और यह संस्कृती आज भी जीवित है। ऐसे महापुरुष हमे श्री माँ और श्री स्वामी सत्यानन्द सरस्वतीजी के रूप में दिकते हैं। इनके उदाहरण के अनुसार अगर हम अपना जीवन बीताऐं तो हम भी दैविक स्वभाव के बन सकते हैं और अपना जीवन लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

हम भी भविष्य के लिए ऋषीओं की तरह उदाहरण बन सकते हैं। सनातन धर्म का शास्त्र अनन्त है और कभी भी पूर्ण नहीं होता है। हम सभ अपने–अपने जीवन के साथ उदाहरण प्रकाश कर सकते हैं।